एक नजर में

गेहूं उपार्जन के लिए 7 मार्च तक करा सकेंगे पंजीयन

खण्डवा। समर्थन मूल्य पर गेहूं उपार्जन के लिए पंजीयन की अवधि 7 मार्च तक निर्धारित की है। डिप्टी कलेक्टर दिनेश सावले ने बताया कि अब तक जिले में 10637 किसान अपना पंजीयन करा चुके हैं। उपार्जन के लिए किसान भाई अपना ऑनलाइन पंजीयन सहकारी समितियों, लोकसेवा केंद्रों, तहसील एवं जनपद पंचायत, कॉमन सर्विस सेंटर, एमपी ऑनलाइन कियोस्क एवं साइबर कैफे पर जाकर करा सकते हैं।

शादी का झांसा देकर शारीरिक शोषण करने वाला आरोपी 24 घंटे में गिरफ्तार

खंडवा। मूंदी पुलिस ने शादी का झांसा देकर शारीरिक शोषण करने वाले आरोपी को 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। पुलिस अधीक्षक खंडवा श्री मनोज कुमार राय के निर्देशन में व थाना प्रभारी मूंदी निरीक्षक राजेन्द्र नरवरिया के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार फरियादिया ने थाना मूंदी में शिकायत दर्ज कराई थी कि आरोपी अमर चौहान पिता नर्मदाप्रसाद, उम्र 25 वर्ष, निवासी ग्राम चांदपुरा द्वारा शादी का झांसा देकर लगभग छह वर्षों तक उसके साथ शारीरिक शोषण किया गया तथा बाद में विवाह करने से इंकार कर दिया गया। शिकायत के आधार पर मामले को गंभीरता से लेते हुए उप निरीक्षक उमेश लाखरे द्वारा ग्राम चांदपुरा में दबिश देकर आरोपी को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने आरोपी को 24 फरवरी को न्यायालय खंडवा में पेश किया, जहां से न्यायालय के आदेश पर उसे जिला जेल खंडवा भेज दिया गया। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक राजेन्द्र नरवरिया एवं उप निरीक्षक उमेश लाखरे की महत्वपूर्ण एवं सराहनीय भूमिका रही।

विद्युत अधिकारियों-कर्मचारियों ने मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

खंडवा। जिले में विद्युत अधिकारियों एवं कर्मचारियों की लंबित मांगों के निराकरण को लेकर पावर इंजीनियर्स एंड एम्प्लॉइज एसोसिएशन द्वारा भारतीय मजदूर संघ के बैनर तले जिला कलेक्टर खंडवा को मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश के नाम ज्ञापन सौंपा गया। कार्यक्रम का नेतृत्व सिंगाजी पावर प्लांट के सीनियर प्लांट असिस्टेंट किशोर शर्मा ने किया।

ज्ञापन में वेतन विसंगतियों के समाधान, उच्च शिक्षा लाभ, समयमान वेतनमान, लंबित पदोन्नतियों के शीघ्र निष्पादन, कार्यस्थल पर सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने, पर्याप्त स्टाफ नियुक्ति तथा संविदा कर्मचारियों के हित संरक्षण सहित विभिन्न सेवा संबंधी मांगें प्रमुख रूप से उठाई गईं।

प्रतिनिधियों ने बताया कि प्रदेश की विद्युत उत्पादन एवं वितरण व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने के लिए कर्मचारियों की समस्याओं का समाधान आवश्यक है। किशोर शर्मा ने कहा कि यह पहल कर्मचारियों के अधिकारों की रक्षा हेतु शांतिपूर्ण एवं लोकतांत्रिक तरीके से की जा रही है।

इस दौरान सौरभ श्रीवास्तव, अनिकेत बॉथम, आनंद चौहान, पुष्पेंद्र धाड़से, दिलीप डावर, जगदीशगिरी गोस्वामी, नवनीत पांडेय सहित बड़ी संख्या में अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

भाजपा बनाम कांग्रेस : किसान मुद्दों पर आरोप-प्रत्यारोप से मतदाता असमंजस में

खंडवा। भोपाल में आयोजित किसान महा चौपाल और उससे जुड़े राजनीतिक बयानों के बाद प्रदेश की राजनीति में भाजपा और कांग्रेस आमने-सामने आ गई हैं। दोनों दलों के बीच किसानों, कर्जमाफी और अंतरराष्ट्रीय ट्रेड डील को लेकर तीखा बयान युद्ध जारी है, जिससे आम मतदाता के सामने सच्चाई को लेकर भ्रम की स्थिति बनती दिखाई दे रही है।

भाजपा जिला अध्यक्ष राजपाल सिंह तोमर ने राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे के बयानों को भ्रामक बताते हुए कहा कि कांग्रेस ने वर्ष 2018 में कर्जमाफी का वादा कर किसानों को धोखा दिया। उन्होंने दावा किया कि वर्तमान सरकार 365 दिन किसानों के हित में कार्य कर रही है तथा सिंचाई क्षेत्र और किसान कल्याण योजनाओं में ऐतिहासिक विस्तार हुआ है। भाजपा प्रवक्ता सुनील जैन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत के विश्व की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने को किसानों और गरीबों के हित में लिए गए निर्णयों का परिणाम बताया। वहीं कांग्रेस नेताओं उत्तमपाल सिंह व प्रतिभा रघुवंशी ने पलटवार करते हुए कहा कि भाजपा वास्तविक किसान समस्याओं से ध्यान भटका रही है। कांग्रेस का आरोप है कि प्रस्तावित ट्रेड डील से निमाड़ के कपास उत्पादक किसानों और पशुपालकों को नुकसान हो सकता है तथा किसानों की आय और लागत का संकट अब भी बरकरार है।

राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप के बीच किसान हित, व्यापार समझौते और कर्जमाफी जैसे मुद्दों पर दोनों दल अपनी-अपनी व्याख्या पेश कर रहे हैं। ऐसे में आम मतदाता के सामने सवाल यही है—किसका दावा सही और किसकी बात वास्तविकता के करीब है।

नर्मदा पर मोरटक्का ब्रिज का लोड टेस्ट सफल

शनिवार से सरपट दौड़ेंगे वाहन, अप्रैल में खुलेगा 145 KM का हाईवे

नवभारत न्यूज

खंडवा। इंदौर-इच्छापुर नेशनल हाईवे पर यात्रा करने वाले लाखों राहगीरों और वाहन चालकों के लिए राहत की बड़ी खबर सामने आई है। सनावद और बड़वाह के बीच नर्मदा नदी पर नवनिर्मित मोरटक्का ब्रिज के एक हिस्से का निर्माण कार्य सफलतापूर्वक पूर्ण कर लिया गया है। बुधवार को नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया की देखरेख में इस ब्रिज का अंतिम लोड टेस्ट किया गया, जिसमें पुल पूरी तरह सुरक्षित और तकनीकी मानकों पर खरा पाया गया है। टेस्टिंग के दौरान भारी वजन के साथ पुल की

मजबूती जांची गई और किसी भी प्रकार की कोई खामी नहीं पाई गई। लोड टेस्ट की सफलता के तुरंत बाद एनएचएआई ने ठेकेदार के माध्यम से पुल पर डामरीकरण का कार्य युद्ध स्तर पर शुरू करवा दिया है। विभाग को पूरी उम्मीद है कि शनिवार, 28 फरवरी से इस नए ब्रिज को भारी और हल्के वाहनों के ट्रैफिक के लिए खोल दिया जाएगा, जिससे इंदौर-खंडवा रूट पर लगने वाले लंबे जाम से जनता को स्थाई मुक्ति मिलेगी।

विकास की यह रफ्तार केवल मोरटक्का ब्रिज तक ही सीमित नहीं है, बल्कि पूरे निमाड़ अंचल के लिए कनेक्टिविटी का नया अध्याय शुरू होने वाला है। एनएचएआई के प्रोजेक्ट डायरेक्टर आशुतोष सोनी के अनुसार, मोरटक्का पुल के दूसरे हिस्से की स्लैब कास्टिंग का काम भी पूरा हो चुका है और इसे अगले दो महीनों के भीतर अंतिम रूप दे दिया जाएगा। इस महत्वपूर्ण प्रगति के साथ ही अप्रैल 2026 तक बलवाड़ा से शाहपुर तक का लगभग 145 किलोमीटर लंबा हाईवे पूरी तरह से वाहनों के आवागमन के लिए खोल दिया जाएगा। यह हाईवे खंडवा और बुरहानपुर जिले की जीवनरेखा साबित होगा, जिससे इंदौर से महाराष्ट्र की ओर जाने वाले व्यापारिक और निजी वाहनों का सफर बेहद सुगम हो जाएगा।

वर्तमान में इस नेशनल हाईवे प्रोजेक्ट के तहत तेजाजी नगर से बलवाड़ा और बलवाड़ा से धनगांव के बीच करीब 73 किलोमीटर के हिस्से में निर्माण कार्य पूरी गति से चल रहा है। उल्लेखनीय है कि धनगांव से बोरगांव बुजुर्ग के बीच का 58 किलोमीटर लंबा हाईवे पहले ही यातायात के लिए शुरू किया जा चुका है, जो यात्रियों को काफी राहत दे रहा है। इसके साथ ही इंदौर के तेजाजी नगर से बलवाड़ा सेक्शन के 33 किलोमीटर के हिस्से में भी सड़क बनाई जा रही है। इन सभी खंडों के आपस में जुड़ जाने से न केवल सफर का समय आधा रह जाएगा, बल्कि घाट सेक्शन और नर्मदा पुल की पुरानी बाधाएं भी हमेशा के लिए खत्म हो जाएंगी। शनिवार से मोरटक्का ब्रिज पर शुरू होने वाला ट्रैफिक इस बड़े बदलाव की पहली और सबसे महत्वपूर्ण कड़ी है।

सीईओ डॉ. गौड़ा ने पंधाना क्षेत्र में विकास कार्यों का जायजा लिया

नवभारत न्यूज

खंडवा। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ नागार्जुन बी गौडा ने बुधवार को पंधाना ब्लॉक की दूरस्थ ग्राम पंचायत घाटीखास एवं घाटाखेड़ी का दौरा कर मिशन अमृत संचय अभियान के अंतर्गत बड़ी संख्या में बनाये जा रहे कंटूर ट्रेंच निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों और निर्माण एजेंसी को निर्धारित तकनीकी मापदंडों एवं स्वीकृत कार्ययोजना के अनुसार कार्य समय सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। जिला पंचायत के सीईओ डॉ गौड़ा ने निर्देश दिए कि वर्षा जल संरक्षण से संबंधित कार्यों में स्थानीय भौगोलिक परिस्थितियों एवं जल प्रवाह दिशा को ध्यान में रखते हुए कार्य किया जाए, जिससे अधिकतम जल संचयन संभव हो सके। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग एवं फील्ड लेवल पर सत्यापन किया जाए। डॉ गौड़ा ने ग्राम पंचायत घाटीखास में पंचायत भवन निर्माण कार्य का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान भवन में दिव्यांगों के लिए बनाए जा रहे रेम्प की ढलान को सुगम बनाने के निर्देश भी दिए।

फॉलोअप भैरूखेड़ा में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता नियुक्ति मामला..

नियुक्ति के चंद महीनों बाद बर्खास्तगी

कार्यकर्ता ने विभाग को दी कानूनी चुनौती

नवभारत न्यूज

खंडवा। महिला एवं बाल विकास विभाग छैगांवमखन के अंतर्गत ग्राम छोटा भैरूखेड़ा में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता के रूप में कार्यरत राजनंदनी जयदीप की सेवा समाप्ति का मामला अब प्रशासनिक गलियारों में चर्चा का विषय बन गया है। इस कार्रवाई के विरोध में पीड़ित कार्यकर्ता ने न्याय की गुहार लगाते हुए संभागीय आयुक्त इंदौर के समक्ष अपील दायर की है। घटनाक्रम की शुरुआत पिछले वर्ष हुई थी, जब विभाग द्वारा जारी आदेश क्रमांक 475-476 दिनांक 4 नवंबर 2025 के माध्यम से राजनंदनी को भैरूखेड़ा केंद्र पर आंगनवाड़ी कार्यकर्ता के पद पर नियुक्त किया गया था। अपनी नियुक्ति के बाद से ही वे लगातार केंद्र का संचालन कर रही थीं और विभागीय कार्यों में संलग्न थीं।

विवाद तब उत्पन्न हुआ जब अचानक 6 फरवरी 2026 को परियोजना अधिकारी, एकीकृत बाल विकास सेवा छैगांव माखन द्वारा एक नया आदेश क्रमांक जारी किया गया। इस आदेश के तहत बिना किसी ठोस पूर्व सूचना या विस्तृत जांच के राजनंदनी की सेवाएं तत्काल प्रभाव से समाप्त कर दी गईं और उन्हें पदमुक्त कर दिया गया। पूर्व में हुई नियुक्ति और महज कुछ महीनों के भीतर बिना स्पष्ट आधार के की गई सेवा समाप्ति को कार्यकर्ता ने न्याय के के विरुद्ध बताया है। वर्तमान स्थिति में, अपनी बर्खास्तगी को अवैध और एकपक्षीय मानते हुए राजनंदनी ने उच्चाधिकारियों की शरण ली है। उन्होंने संभागीय आयुक्त कार्यालय में अपनी अपील दर्ज कराते हुए मांग की है कि विभाग के इस दोषपूर्ण आदेश को निरस्त किया जाए और उन्हें पुन: पद पर बहाल किया जाए। इस संबंध में उन्होंने परियोजना अधिकारी को लिखित आवेदन देकर अवगत कराया है कि उनकी अपील अब आयुक्त स्तर पर विचाराधीन है। इस कानूनी चुनौती के बाद अब यह देखना दिलचस्प होगा कि संभागीय प्रशासन इस संवेदनशील मामले में क्या रुख अपनाता है। फिलहाल, उच्च स्तर पर मामला लंबित होने के कारण विभाग की आगामी कार्रवाई पर विराम लग गया है और क्षेत्र के अन्य आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं की नजरें भी इस प्रकरण के परिणाम पर टिकी हुई हैं।

विरोध दिवस पर भारतीय मजदूर संघ ने मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

नवभारत न्यूज

खंडवा। भारतीय मजदूर संघ द्वारा केंद्र एवं राज्य सरकार की कथित श्रमिक-विरोधी नीतियों के विरोध में विरोध दिवस मनाते हुए विशाल रैली निकालकर धरना-प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम में हजारों की संख्या में श्रमिक, विभिन्न यूनियनों के कर्मचारी एवं संगठन पदाधिकारी शामिल हुए। प्रदर्शन के पश्चात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नाम सिटी मजिस्ट्रेट के माध्यम से जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपा गया।

ज्ञापन में औद्योगिक संबंध संहिता में श्रमिक हितों की सुरक्षा, इंडियन लेबर कॉन्फ्रेंस का नियमित आयोजन, त्रिपक्षीय समितियों के पुनर्गठन, योजना एवं संविदा कर्मियों के नियमितीकरण तथा ईपीएस-95 के अंतर्गत न्यूनतम पेंशन 7500 प्रतिमाह किए जाने की मांग प्रमुख रही। इसके अलावा बैंकिंग क्षेत्र में पांच दिवसीय कार्य सप्ताह लागू करने एवं पुरानी पेंशन योजना बहाल करने की मांग भी उठाई गई।

मध्यप्रदेश में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता- सहायिकाओं के नियमितीकरण, मानदेय का समय पर भुगतान, सेवा निवृत्ति के बाद पेंशन एवं रिक्त पदों पर शीघ्र भर्ती की मांग भी शामिल रही। सिटी मजिस्ट्रेट बजरंग बहादुर ने ज्ञापन प्राप्त कर मुख्यमंत्री तक भेजने का आश्वासन दिया। जिला मंत्री प्रवीण शर्मा ने मांगें पूरी नहीं होने पर आंदोलन तेज करने की चेतावनी दी।

हाईरिस्क गर्भवती महिलाओं की विशेषज्ञ चिकित्सकों ने की जाँच

नवभारत न्यूज

खण्डवा। प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के तहत गर्भवती महिलाओं को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से हर माह की 9 एवं 25 तारीख को सरकारी अस्पतालों में स्त्री रोग विशेषज्ञ व चिकित्सकों द्वारा गर्भवती महिलाओं की जांच कर उपचार किया जाता है। बुधवार को जिले के विभिन्न शासकीय अस्पतालों में कुल 975 से अधिक हाई रिस्क गर्भवती महिलाओं का स्वास्थ्य परीक्षण विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा किया गया। इन शिविरों में गर्भवती महिलाओं की काउंसलिंग कर उन्हें स्वास्थ्य के प्रति जागरुक रहने, पौष्टिक आहार नियमित रूप से लेने और सरकारी अस्पताल में प्रसव कराने की समझाइश भी दी गई।

माझी कहार समाज का सामूहिक विवाह सम्मेलन 16 अप्रैल को

नवभारत न्यूज

खंडवा। माझी कहार समाज की महत्वपूर्ण बैठक बुधवार को संपन्न हुई, जिसमें समाज की एकजुटता एवं सामाजिक सुधार को लेकर कई अहम निर्णय लिए गए। बैठक में सर्वसम्मति से तय किया गया कि समाज के किसी भी परिवार पर विवाह जैसे आयोजनों के कारण आर्थिक बोझ या कर्ज़ का दबाव नहीं आए, इसके लिए सामूहिक प्रयास किए जाएंगे।

बैठक में निर्णय लिया गया कि पूर्व तरह इस वर्ष भी समाज का निशुल्क सामूहिक विवाह एवं परिचय सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। जिला अध्यक्ष राजू नागनपुरे ने बताया कि आगामी 16 अप्रैल को नई अनाज मंडी प्रांगण के सामने समाज का सामूहिक सम्मलेन आयोजित होगा। जिसका उद्देश्य जरूरतमंद परिवारों को सहयोग देना, सामाजिक एकता को मजबूत करना तथा विवाह समारोहों में होने वाली फिजूलखर्ची पर रोक लगाना है।

बैठक में रामजी बावने, ईमृतलाल नंदाने, प्रहलाद फूलमाली, राकेश पहलवान, विनोद पिंजन्या, अजय वर्मा, अश्विनी चौहान, दीपू केशनिया, महेश जगताप, कन्नू वर्मा, बीएल वर्मा, कमलेश बावने, मुन्नालाल बावनिया, गोविंद जगताप, हरीश केशनिया, रवि वर्मा, दीपक वर्मा, संतोष वर्मा, अंतिम केशनिया, मनोज फूलमाली, मनोज केशनिया सहित अनेक समाजजन उपस्थित रहे।

राजगढ़ में दूसरे दिन भी छाया निमाड़ का लोक रंग

नवभारत न्यूज

खंडवा। राजगढ़ में आयोजित कृषि मेले एवं प्रदर्शनी के दूसरे दिन निमाड़ की लोक संस्कृति की शानदार झलक देखने को मिली। साधना उपाध्याय के दल द्वारा प्रस्तुत निमाड़ी लोक नृत्यों ने अतिथियों और दर्शकों का मन मोह लिया। आकर्षक व जीवंत प्रस्तुतियों को सभी ने खूब सराहा। कलाकारों ने अपनी प्रस्तुति से साबित किया कि सशक्त लोक कला की पहचान क्षेत्रीय सीमाओं से परे भी सम्मान दिलाती है। उल्लेखनीय है कि साधना उपाध्याय का गणगौर एवं लोक नृत्य दल पिछले 35 वर्षों से निमाड़ के लोकगीतों और सांस्कृतिक परंपराओं के संरक्षण व प्रचार-प्रसार में सक्रिय है। दल द्वारा गणगौर पर आधारित पांच पारंपरिक वीडियो सीडी भी तैयार की जा चुकी हैं, जो लोक संस्कृति को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण माध्यम बनी हैं।

ओंकारेश्वर में भगोरिया पर्व पर आदिवासी संस्कृति की अनूठी छटा बिखरी

नवभारत न्यूज

ओंकारेश्वर। तीर्थ नगर में आदिवासी समाज का प्रमुख एवं पारंपरिक त्योहार भगोरिया पर्व हर्षोल्लास और उत्साह के साथ मनाया गया। क्षेत्र के डुहिक्या,जिल्हार , कड़ियाकुंड, मोर्चाबेड़ी आदि गाँव गाँव से आए आदिवासी परिवारों ने ढोल-नगाड़ों की थाप पर नाचते-गाते हुए हाट बाजार में सहभागिता की और अपनी समृद्ध परंपराओं की जीवंत झलक प्रस्तुत की।

भोंगर्या पर्व आदिवासी अंचल का सबसे महत्वपूर्ण सामाजिक उत्सव माना

जाता है। मान्यता है कि चाहे युवक-युवतियां रोजगार के लिए प्रदेश या देश के किसी भी हिस्से में हों, इस पर्व के अवसर पर वे अपने गांव अवश्य लौटते हैं। यह पर्व केवल उत्सव नहीं, बल्कि सामाजिक एकता, प्रेम और भाईचारे का प्रतीक है। इस दिन आपसी मनमुटाव एक-दूसरे को टीका, एवं कलर लगाकर मनमुटाव समाप्त किए जाते हैं और समाज में सौहार्द का संदेश दिया जाता है। पारंपरिक मान्यता के अनुसार भोंगर्या सामाजिक मेलजोल का विशेष अवसर भी है। अविवाहित युवक-युवतियां एक-दूसरे को पसंद करते हैं और पारिवारिक सहमति के बाद विवाह संबंध की शुरुआत भी इसी पर्व से जुड़ी परंपरा का हिस्सा मानी जाती है। इसी कारण यह उत्सव सांस्कृतिक और सामाजिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है।

त्योहार के दौरान हाट बाजार में कंगन, प्रसादी, रंग-गुलाल तथा होली से जुड़ी सामग्रियों की खरीदारी हुई। बच्चे, महिलाएं और पुरुष पारंपरिक वेशभूषा में सजे-धजे नजर आए। भोंगर्या पर्व के साथ ही आदिवासी क्षेत्रों में होली उत्सव की औपचारिक शुरुआत मानी जाती है।

इस अवसर पर शिवनाथ पंचोली, गंगाराम पंचोली, कमल मोरे, धनसिंह मावड़ा, फूलसिंह मावड़ा, शेरू मोरे एवं पूर्व पार्षद जस्मा बाई मावड़ा ने बताया कि यह पर्व हमारी संस्कृति, परंपरा और सामाजिक एकजुटता का प्रतीक है। पूरे समाज की सहभागिता से यह उत्सव हर वर्ष नई ऊर्जा और उमंग के साथ मनाया जाता है। भोंगर्या पर्व के आयोजन से ओंकारेश्वर क्षेत्र में उल्लास और उत्साह का वातावरण बना रहा तथा आदिवासी संस्कृति की अनूठी छटा हर ओर बिखरी नजर आई।